मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ के पुरातत्व का संदर्भ ग्रन्थ

डॉ. राजकुमार शर्मा

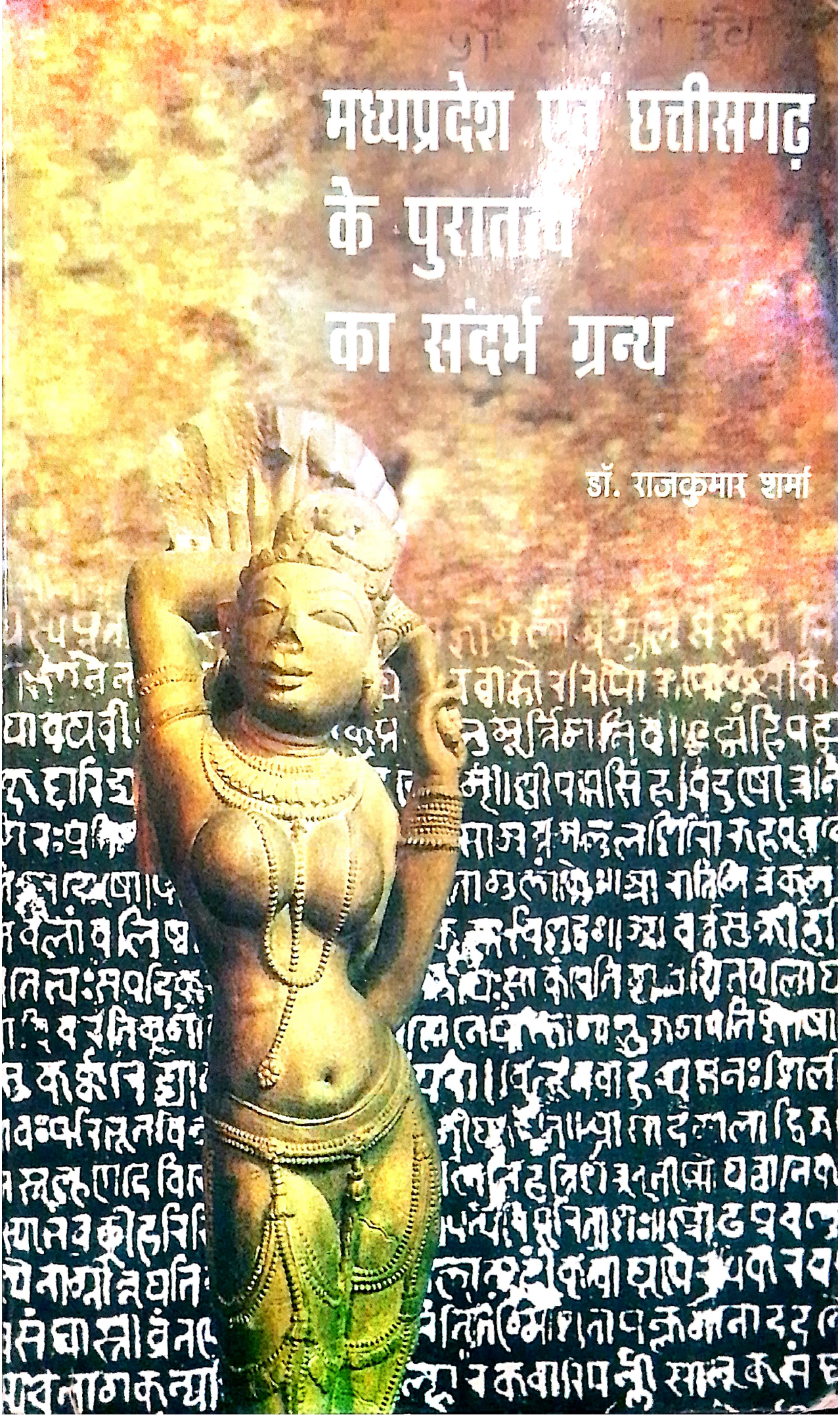

Scanned with OKEN Scanner

© मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल

❑ प्रादेशिक भाषाओं में विश्वविद्यालय स्तरीय ग्रन्थों और साहित्य के निर्माण के लिए भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा) की केन्द्र प्रवर्तित योजनान्तर्गत, भारत सरकार के द्वारा रियायती दर पर उपलब्ध कराये गये कागज़ एवं मध्यप्रदेश शासन की ओर से प्राप्त अनुदान की मदद से रियायती मूल्य पर मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल द्वारा प्रकाशित।

प्रकाशक : मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी
रबीन्द्रनाथ ठाकुर मार्ग, बानगंगा,
भोपाल - 462 003
दूरभाष - 2553084

संस्करण : द्वितीय (संशोधित परिवर्द्धित) 2010

मूल्य : रु. 400.00 (चार सौ) मात्र

कम्पोजिंग : अक्षर ग्राफिक्स, भोपाल, फोन-2559213

मुद्रक : शाईन ऑफसेट, भोपाल (म.प्र.) दूरभाष- 0755-4270458

Scanned with OKEN Scanner

विषय सूची

प्राक्कथन

भूमिका

संक्षेप सूची

प्रथम अध्याय

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

प्रागैतिहासिक तथा आद्यैतिहासिक काल 1

वैदिक युग 9

अनुश्रुतिगम्य इतिहास 10

नन्द-मौर्य युग 13

जनपद काल 16

शुंग-कण्व काल 17

सातवाहन काल 19

हिन्द-युनानी उत्कर्ष 23

शक-क्षत्रप काल 23

कुषाण काल 28

नाग वंश 30

बोधि तथा मघ राजवंश 33

गुप्तकाल 33

वाकाटक राजवंश 41

हूण आक्रमण 45

परिव्राजक राजवंश 49

उच्चकल्प के महाराज 50

राजर्षितुल्य कुल 51

नल वंश 52

शरभपुरीय वंश 53

वलभी का मैत्रक वंश 55

Scanned with OKEN Scanner

मौखरी वंश	56
वर्धन वंश	57
दक्षिण कोसल का पाण्डव वंश	58
मेकल का पाण्डव वंश	60
शैल वंश	61
राष्ट्रकूट वंश	62
उज्जयिनी तथा कान्यकुब्ज का गुर्जर-प्रतिहार वंश	65
चन्देल राजवंश	72
परमार राजवंश	80
कलचुरि राजवंश	90
त्रिकलिंगाधिपति सोमवंशी नरेश	106
चक्रकोट के छिन्दक नाग	108
कवर्धा का नागवंश	110
कांकेर का सोमवंश	111
देवगिरि का यादव वंश	112
मन्दसौर का गुहिल राजवंश	112
कच्छपघात राजवंश	113
नरवर का यज्वपाल राजवंश	114
तोमर राजवंश	117

द्वितीय अध्याय

प्रागैतिहासिक, आद्य-इतिहास एवं प्रारंभिक इतिहास से संबंधित पुरातत्त्व

पूर्व-पाषाण युगीन स्थल	120
मध्य-पाषाण युगीन स्थल	148
उत्तर-पाषाण युगीन स्थल	168
नव-पाषाण युगीन स्थल	186
ताम्र-पाषाण युगीन स्थल	188
ताम्र-निधि प्राप्त होने वाले स्थल	197
चित्रित शैलाश्रय प्राप्त होने वाले स्थल	198

Scanned with OKEN Scanner

इनमें विम कदफिस के 44 सिक्के, कनिष्क के 324 सिक्के, हुविष्क के 362 सिक्के तथा शेष अस्पष्ट सिक्के थे। ज.न्यू.सो.इ., भाग 27, पृ. 118-19; वही, भाग 28, पृ. 1-5; इ.आ.रि., 1964-65.

2904. हरदा (होशंगाबाद)

कुषाण कालीन दो स्वर्ण सिक्के जिनमें एक हुविष्क का चौथाई स्टेटर है तथा दूसरा कनिष्क द्वितीय अथवा तृतीय का स्टेटर है। ज.न्यू.सो.इ., भाग 17, पृ. 109; न्यू.नो.मो. क्रमांक 5, पृ. 9; ना.म्यू.के.

ऐ-नाग शासकों के सिक्के

2905. अकोदा (भिण्ड)

विभिन्न प्रकार के 270 ताँबे के नागवंशी सिक्के। इ.आ.रि., 1961-62, पृ. 94.

2906. इन्दौर (इन्दौर)

स्व. श्री टिकेकर के संग्रह में संरक्षित एक नागवंशी सिक्का। ज.न्यू.सो.इ., भाग 10, पृ. 26-42.

2907. उज्जैन (उज्जैन)

नागवंशी शासकों के सिक्के। के.क्वा.ना. प., पृ. 39.

2908. एरण (सागर)

अ. नागवंशी शासक रविनाग का एक नये प्रकार का सिक्का। ज.न्यू.सो.इ., भाग 31, खण्ड 1, पृ. 72-73.

आ. उत्खनन तथा खोज में प्राप्त विभिन्न नाग शासकों के सिक्के। बाजपेयी कृ.द.- 'सागर थ्रू. दी एजेस', पृ. 9, 29.

2909. कुतवार (मोरेना)

नागवंशी शासकों की 18959 सिक्कों की निधि। ग्वा.पु.रि., 1927-28, पृ. 16; के.क्वा.ना.प., पृ. 60.

2910. ग्वालियर (ग्वालियर)

शेषदत्त जो मथुरा, पद्मावती, कांतिपुरी और विदिशा के नागों से संबंधित था, के दो नये सिक्के। ज.न्यू.सो.इ. 34, (1972), 2, पृ. 189-95.

2911. गोहद (भिण्ड)

नागवंशी सिक्के। क.आ.स.इ., भाग 2, पृ. 307; ज.ए.सो.ब. 1865, पृ. 115; क्वा.मे.इ., पृ. 23.

Scanned with OKEN Scanner

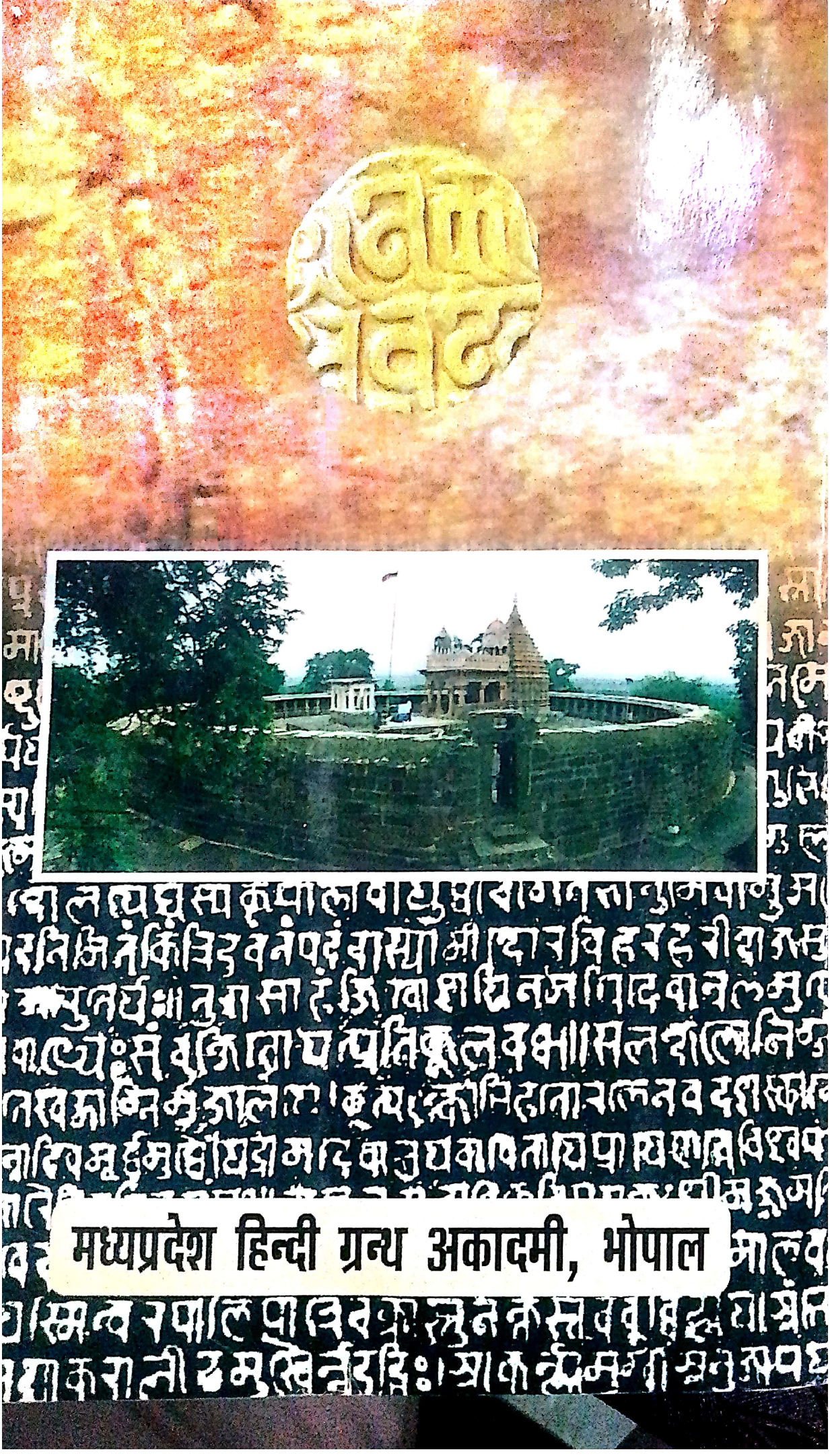

मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल

Scanned with OKEN Scanner